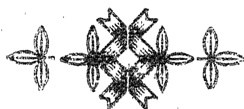
समालोचना-तत्त्व



लेखक

श्री नलिनीमोहन सान्याल,

एम० ए०, 'भाषातत्त्व-रत्न'